Edit with WPS Office

ONLINE STUDY MATERIAL BASED ON NCERT

Class - XII , Subject - MUSIC by P.SARKAR

संगीत पारिजात ग्रंथ की सम्पूर्ण अध्ययन ~ Part - 4

- स्वर प्रस्तार प्रकरण के अन्तर्गत उसने सातों स्वर के संयोग से 4 हजार 2 सौ 20 स्वर समूह की रचना को बताया है। वर्णलक्षणम अध्याय के अन्तर्गत वर्ण की परिभाषा बताते हुए वर्ण के चार प्रकार बताये है- स्थायी, आरोही, अवरोही और संचारी। अलंकार की परिभाषा इस प्रकार दी है ' क्र स्वरसंदर्भमलकारं प्रचक्षते'। अलंकार के कई प्रकार बताये है जैसे- मृदु, नन्द, विस्तीर्ण, जित, सोम, बिन्दु,ग्रीव, भाल, वेणी, प्रकाशक आदि। स्थाई वर्ण के 7, आरोही वर्ण के 12, अवरोही वर्ण के भी 12, सचारी के वर्ण 25 कुल मिलाकर 56अलंकार बताये है। इनके अतिरिक्त पं० अहोबल ने 5 अलंकार और बताये है। इन सभी अलंकार के नाम, लक्षण, और उदाहरण संगीत पारिजात में दिये गए हैं। मंद्र सप्तक के लिये ऊपर बिन्दु और तार सप्तक के लिये खडी रेखा अंकित किया है।